वर्ष 2016–17 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार अधिकारियों के लिए "सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन" तथा कर्मचारियों के लिए "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी" प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की माहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है। संस्थान के पदाधिकारियों की जानकारी के लिए प्रतिदिन एक अंग्रेजी शब्द का हिंदी पर्याय एल्कोसाइन राइटिंग बोर्ड पर लिखा जाता है।

वर्ष 2016–2017 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा सीबीआरआई, रुड़की में दिनांक 10 जून, 2016 को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में संस्थान के चार कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 64वीं, 65वीं तथा 66वीं बैठकें क्रमशः 20 जून, 2016, 27 सितंबर, 2016 तथा 21 मार्च, 2017 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजनाएं तैयार की गई।
- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, हिंदी पत्र लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य, प्रोत्साहन योजनाएं आदि विषयों पर दिनांक 23 जून, 2016, 30 सितंबर, 2016 तथा 29 मार्च, 2017 को हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 139 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- संस्थान की तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' को जल संरक्षण के क्षेत्र में की गई सराहनीय सेवाओं एवं योगदान के लिए न्यूज पेपर्स एंड मैग्जीन्स फैडरेशन ऑफ इंडिया, ऋषिकेश द्वारा दिनांक 08 जुलाई, 2016 को एक्सीलेंस एवार्ड–2016 प्रदान किया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक 03 अगस्त, 2016 को आयोजित 22वीं अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान की ओर से श्री आर डी सिंह, निदेशक राजसं तथा डॉ. रमा मेहता, राजभाषा प्रभारी के साथ–साथ अन्य तीन पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान में राजभाषा विभाग द्वारा लागू ''सरकारी कामकाज मूलरूप से हिंदी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के तहत दिनांक 15 अगस्त, 2016 को संस्थान के 09 पदाधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।
- संस्थान में दिनांक 16 अगस्त, 2016 से 15 सितंबर, 2016 तक हिंदी मास का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की 07 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।
- संस्थान की तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' को वर्ष 2015–2016 के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदय के कर–कमलों द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2016 को ''राजभाषा कीर्ति पुरस्कार–प्रथम'' प्रदान किया गया।
- दिनांक 06 अक्तूबर, 2016 को आगरा में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह–2016 में संस्थान की ओर से 02 पदाधिकारियों ने भाग लिया।
- नराकास, हरिद्वार द्वारा दिनांक 09 जनवरी, 2017 को आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के दो पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की 23वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन दिनांक 20 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा राजसं मुख्यालय रुड़की में किया गया। इस बैठक में नराकास के सभी सदस्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों के साथ–साथ लगभग 100 से भी अधिक सदस्यों ने प्रतिभाग किया। इस गतिविधि में राजसं के लगभग 25 पदाधिकारियों ने भाग लिया।
- नराकास हरिद्वार के तत्वाधान में आईआईटी, रुड़की द्वारा दिनांक 04 मार्च, 2017 को आयोजित ''यूनीकोड कार्यशाला'' में संस्थान के 03 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।